अगला दशक

2020

■ देश में विभिन्न क्षेत्रों में 21 लाख से अधिक जॉब मौजूद, नए साल में मिलेंगे 13 लाख जॉब
■ मैन्यूफैक्चरिंग, ऑटोमोबाइल, बैंकिंग और कॉमर्स सेक्टर करेगा सबसे ज्यादा ग्रोथ

नए वर्ष में नई उम्मीदों के साथ हर क्षेत्र में युवाओं को मिलेंगे जॉब्स

कारोबार	अभी जॉब हैं	2010 में मिलेंगे	2020 का अनुमान है
बैंकिंग	3.50 लाख	2.80 लाख	13 लाख
इंश्योरेंस	4.50 लाख	2.90 लाख	12 लाख
मिड साइज बिजनेस	4 लाख	3.10 लाख	14 लाख

पढ़ाई के साथ जॉब की निश्चितता बनी रहेगी, क्योंकि नया आसमां है तैयार

पढ़ाई	अभी जॉब हैं	2010 में मिलेंगे	2020 का अनुमान है
कॉमर्स	2.50 लाख	1.20 लाख	5.20 लाख
साइंस	1.90 लाख	1.5 लाख	4.90 लाख
मैनेजमेंट	4.80 लाख	2.20 लाख	14 लाख

(शहर के विभिन्न प्लेसमेंट अधिकारियों द्वारा देश के अनुमानित आंकड़े)

चारों ओर खुशियां ही खुशियां

कूलएज रिपोर्टर »

नया साल युवाओं के लिए खुशियां लेकर आ रहा है। इस समय पढ़ाई कर रहे युवाओं को अगले दस सालों तक जॉब की चिंता करने की जरूरत नहीं। पिछले सालों में रिसेशन के कारण क्षेत्रों को गति नहीं मिल पाई लेकिन बढ़ते मार्केट और कंपनियों की बैलेंस शीट में बढ़े प्रॉफिट ने एक बार फिर लाखों जॉब अपार्च्युनिटीज खोल दी है। अगले सालों में बैंकिंग, इंशुरेंस, कॉमर्स और मैनेजमेंट सहित कई सेक्टर बिजनेस को बढ़ाने जा रहे हैं। इस समय सर्विस सेक्टर में देश नंबर वन है।

320 मिलियन यूथ बनेंगे ताकत

देश में 320 मिलियन यूथ है और यही सबसे बड़े उपभोक्ता भी है। इससे कंपनियों का परचेसिंग और सेल्स पॉवर बढ़ेगा। करियर को लेकर माता-पिता की मानसिकता बदली है वे अपने बच्चे को उनसे अनुसार क्षेत्र में जाने की आजादी दे रहे हैं। इंटरनेशनल बिजनेस रिपोर्ट की माने तो मैन्यूफैक्चरिंग और ऑटोमोबाइल अगले सालों में सबसे ज्यादा बूम वाले क्षेत्र होंगे। पिछले पांच सालों के सिनेरियों की बाद करे तो प्रशासनिक कार्यों में युवाओं का रुझान काफी घटा है वहीं प्राइवेट सेक्टर में 35 फिसदी का इजाफा हुआ है।

अपार्च्युनिटीज से बदला रुख

प्रख्यात मैनेजमेंट गुरु गुरुचरण दास पॉलिटिक्स विषय में डिग्री ले चुके हैं लेकिन 30 साल के अपने जॉब करियर को छोड़ वे अब लिखने में रुचि ले रहे हैं। उनका नाम अब लेखक के रूप में जाना जाता है। इसी तरह जागोरे डॉट कॉम के फाउंडर रमेश रामानाथन बिट्स पिलानी से फिजिक्स में एमएस और फॉरेन से एमबीए कर चुके हैं और वे अब सोशल के लिए काम कर रहे हैं। इसी तरह जयदीप साहनी ने पढ़ाई तो इंजीनियरिंग से की लेकिन लिख रहे हैं फिल्मों की कहानियां। ये सभी ऐसे बदलाव हैं जो जरूरत के अनुसार हुए हैं।

आने वाले सालों में संभावनाएं

करियर मैनेजमेंट ग्रुप के डायरेक्टर अतुल एन. भारत के अनुसार देश में कच्चा इस्पात सबसे अधिक है इसके बावजूद हम मैन्यूफैक्चरिंग में पीछे हैं। अगले सालों में इस क्षेत्र में सबसे अधिक तेजी आएगी। इसके बाद ऑटोमोबाइल और बेसिक साइंस का बोलबाला रहेगा। रिसर्च एंड डेवलपमेंट और आईटी ऐसे क्षेत्र हैं जिसमें कभी मंदी नहीं आएगी। ये हर कंपनी की सबसे बड़ी जरूरत है। मैनेजमेंट और टेलीकॉम क्षेत्र हमेशा की तरह सदाबहार रहेंगे।

नया साल नया ट्रेंड

नया साल यानी हर चीज नई। जी हां, फैशन भी इस बार कुछ नया ही होगा। हर कोई चाहता है कि वह सबसे अलग दिखे इसलिए कूलएज रिपोर्टर ने एक्सपर्ट्स से जाना कि नए साल में युवाओं के लिए फैशन में क्या नया होने वाला है।

शॉर्ट कुर्तियां और जींस होगी सबसे खास

नए साल में फैशनेबल यूथ के लिए जेगिंग खास होगा। ये लेगिंग और जीन्स का कॉम्बिनेशन है। ये सिर्फ युवतियों और महिलाओं के लिए होगा। लड़कों के लिए भी जींस में नए पैटर्न होंगे। हाल ही में प्रदर्शित फिल्म थ्री इडियट्स का कूल फैशन भी सालभर फॉलो किया जाएगा। शॉर्ट कुर्तियां और नए जींस मटेरियल हमेशा फैशन में बना रहेंगे। एक ही मटेरियल की जगह दो तीन मटेरियल यूज होंगे। ❒ **निकिता जैसवानी** (फैशन डिजाइनर)

क्रशिंग मटेरियल से आएगा स्टाइलिश लुक

नए साल में क्रशिंग मटेरियल, ड्रेप और लेअर तीन चीजें इन होंगी। पूरा ड्रेस क्रशिंग मटेरियल से तैयार होगा। सूट ओर टॉप्स दोनों में लेअर्स का प्रयोग होगा। युवाओं को शार्ट शर्ट्स काफी आकर्षित करेंगे। एक की जगह दो-तीन मटेरियल यूज होंगे। अंगरक्खा और फ्रंट ओपन जैकेट्स भी चलन में रहेंगे। कलर्स में ब्लू और पेस्टल के साथ एक ब्राइट कलर का टच

प्रयोगों से ही आसान होगी केमिस्ट्री

इंदौर. केमिस्ट्री प्रयोगात्मक विषय है, प्रयोगों के आधार पर ही इसके किसी टॉपिक को आसानी से समझा जा सकता है। प्रयोगों को आसान करने के लिए कई सूत्र (रूल्स) बनाए गए हैं। प्रयोगों के आधार पर सवालों का जवाब देना चाहिए न कि केवल सूत्रों के आधार पर। यह बात डॉ. पी. बहादुर ने कही।

टॉप इंजीनियरिंग कॉलेजों में एडमिशन की तैयारी में लगे स्टूडेंट्स की केमिस्ट्री की राह आसान बनाने के लिए कैटेलाइजर में स्पेशल क्लास का आयोजन किया गया है। 5 जनवरी तक डॉ. बहादुर स्टूडेंट्स को अनेक गुर सिखाएंगे। आईआईटी की तैयारी कर रहे स्टूडेंट्स के लिए www.iitguide.com वेबसाइट शुरू की गई है। इसकी सहायता से स्टूडेंट्स आनॅलाइन अपनी समस्या बताकर हल प्राप्त कर सकते हैं।

एन रघुरामन

मैनेजमेंट फंडा

ज्यादातर कंपनियों का मुख्य लक्ष्य कुशल कर्मचारियों को पाने का है जो वर्ष 2010 में सामने आने वाली मांगों से निपट सकें। इस लिहाज से इस वर्ष ढेरों अवसर सामने आएंगे।

उम्मीदों से भरपूर है यह नया साल

आप सबके लिए नववर्ष मंगलमय हो। यह नया साल वाकई कई लोगों के जीवन में नया आनंद लेकर आएगा। अमीर तबके के लिए टोयोटा प्राइस, ह्युंडई सैंटा एफई और बीएमडब्ल्यू इलेवन जैसी नई आलीशान कारें हैं जो इस साल लांच होने जा रही हैं। इसी वजह से मुझे पूरा भरोसा है कि इस वर्ष लोगों के लिए पहले की अपेक्षा कहीं ज्यादा अवसर उपलब्ध होंगे। हालांकि किसी के मन में यह विचार आ सकता है कि कार लांचिंग का अवसरों से क्या लेना-देना है? यदि आप इस सवाल को सपाट तरीके से देखें तो यही जवाब होगा 'कुछ नहीं'। लेकिन आप इसी सवाल को इस नजरिए से देखें कि मैं क्या कहने की कोशिश कर रहा हूं, तो आप संभवतः मेरी इस बात से सहमत होंगे कि अवसर बढ़ने वाले हैं।

जब कार निर्माता कंपनियां अपने टॉप ब्रांड्स को किसी देश में लांच करती हैं, तो साफ है कि वे ऐसे बाजार में प्रवेश करेंगी जहां लोगों की क्रयशक्ति अधिक हो। इसे देखकर कहा जा सकता है कि आगे चलकर देश की अर्थव्यवस्था में स्थिरता आएगी। कारें वही लोग खरीदते हैं, जिनकी लक्जरी संबंधी अन्य जरूरतें पूरी हो चुकी हों। इसका मतलब है कि आबादी का एक समूह होटल, सैर-सपाटा, शादियों और ऐसे अन्य क्षेत्रों में खर्च करेगा, जिनमें पिछले एक-डेढ़ साल के दौरान मंदी के चलते खर्चों में कमी देखी गई।

पिछले एक साल के दौरान कंपनियों ने अपनी अतिरिक्त चर्बी को घटाते हुए खुद को हरसंभव फिट रखने की कोशिश की। अब जबकि विकास श्रम की कम लागत के साथ आ रहा है, ऐसे में वे श्रमशक्ति को बढ़ाने पर मजबूर होंगी क्योंकि बाजार का भी विस्तार हो रहा है। यह देखते हुए मानव संसाधन से जुड़े कई विशेषज्ञों का कहना है कि वर्ष 2010 में हर स्तर पर नौकरियों में बढ़ोतरी होगी। कंपनियों पर सीमित श्रमशक्ति वाले नए माहौल में लागत की अधिकतम वसूली के हिसाब से चलने के दबाव की वजह से नए कर्मचारियों को ही फायदा होगा।

यदि आप नए कर्मचारी या ऐसे कर्मी हैं जो अच्छे ब्रेक की तलाश में है, तो आप कंपनियों और खासकर आईटी या हॉस्पिटैलिटी अथवा हेल्थकेअर जैसी कंपनियों की कमजोरियों को तलाशते रहें। हर कंपनी की कोई कमजोरी होती है और उसे इस पर काबू पाने के लिए सक्षम प्रतिभाशाली लोगों की तलाश है। फाइनेंशियल सेक्टर, रिटेल और ऑफ-शोरिंग में भी आगे चलकर विकास नजर आएगा। वास्तव में ऑफ-शोरिंग इस मसले पर हालिया वैश्विक प्रकोप के बाद आकर्षक प्रस्ताव बन गया है। ज्यादातर कंपनियों का मुख्य लक्ष्य कुशल कर्मचारियों को पाने का है जो वर्ष 2010 में उठने वाली मांगों से निपट सकें। इससे लगता है कि आगे चलकर छात्रों व प्रोफेशनल लोगों के लिए कॅरियर के बेहतर विकल्प उपलब्ध होने वाले हैं।

raghu@bhaskarnet.com

फंडा यह है कि... **वर्ष** 2010 उम्मीदों से भरपूर है। अपने आपको नवीनतम घटनाक्रम के हिसाब से तैयार करते हुए आप इसका ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सकते हैं।